

एक पद में उत्तर दें -

- (i) के गीतकानि गायन्ति ? -
- (ii) एषां कः प्रसन्नः ?
- (iii) इयं निर्मला भानुभूमिः कीदृशी अस्ति ? -
- (iv) अस्मदीया भारतीया धरा कीदृशी अस्ति ? -
- (v) अस्माभिः सदा किं पूजनीयम् ? -
- (vi) देवाः कानि गायन्ति ? -
- (vii) जनैः कीदृशं जन्म लब्धम् ? -
- (viii) विशाखा धरा का ? -
- (ix) जगद् गौरवं किं वर्तते ? -
- (x) समेषां जनानां का भवेत्
- (xi) अस्माकं भारतीया धरा कीदृशी अस्ति ? -
- (xii) अत्र केन भावेन जनाः निवसन्ति ? -

- उत्तर - देवाः
उत्तर - हरिः
उत्तर - वत्सला
उत्तर - विशाला
उत्तर - भारतम्
उत्तर - गीतकानि
उत्तर - मुकुन्दसौपायिकं
उत्तर - भारतवर्षम्
उत्तर - भारतम्
उत्तर - देशभक्ति
उत्तर - विशाला रुमाला
उत्तर - एकत्व भावेन

1. प्रश्न - देवता लोग किस देश का गुणगान करते हैं, और क्यों ?

उत्तर - देवता लोग भारत देश का गुणगान करते हैं, क्योंकि यह भारतभूमि स्वर्ण और मोक्ष का प्रदान करने वाली भूमि है, जहाँ के लोग भगवान विष्णु की उपासना करने के लिए जन्म धारण करते हैं, या यहाँ के लोगों पर राक्षस होकर भारतभूमि को पाप तप से मुक्त करने हेतु, तथा धर्म की स्थापना हेतु पुनः जन्म धारण करते हैं।

2. प्रश्न - भारतभूमि कैसी है, तथा यहाँ किस प्रकार के लोग रहते हैं ?

उत्तर - भारतवर्ष अति प्रसिद्ध देश है, जहाँ की भूमि पवित्र और दयावाली है। यहाँ विभिन्न जाती और धर्म के लोग रहते हैं, तथा अपनी जाती और धर्म के भेदों का भूलकर एकताभाव को धारण करते हुए निवास करते हैं।

3. प्रश्न - भारत महिमा पाठ का उद्देश्य क्या है ?

उत्तर - भारत महिमा पाठ में पौराणिक और आधुनिक ~~कक्ष~~ पद्य संकलित किया गया है। इन सभी पद्यों का उद्देश्य भारत एवं भारतीयों की विशेषताओं का वर्णन करना है। इसमें भारत की सुन्दरता एवं भव्यता और भारतीयों की देशभक्ति आदि की ओर पाठक का ध्यान आकर्षित किया गया है।

प्रश्न - विष्णु पुराण में भारत की महिमा किस रूप में गयी गई है ?

उत्तर - भारतीय धरा की पराकाष्ठा सर्वत्र विद्यमान है। इस भारतभूमि पर स्वयं हरि अवतरित होकर अपने को धन्य मानते हैं। देव गण इस भारतभूमि का प्रशंसा करते हुए स्वयं इस भारतभूमि पर जन्म लेने की इच्छा प्रकट करते हैं। जहाँ के लोग श्रीहरी की पूजा करने के लिए देवत्व को प्राप्त कर जन्म प्राप्ति करते हैं।

प्रश्न - भारत भूमि पाठ से क्या संदेश मिलता है ?

उत्तर - भारत भूमि पाठ से हमें यही संदेश मिलता है, कि हम भारतीय इस शोभनीय तथा पूजनीय भारत देश के प्रति मन - कचन - कर्म से निष्ठा पूर्वक रह कर देशभक्ति करें। हम हमेशा देश के लिए समर्पित होकर प्राणों से भी लड़कर देश की रक्षा करें।